

UPDAAN

2025

मैं क्यों लिखता हूँ

→ कृतिका

हिन्दी

Lecture - 03

By – Garima Mishra Ma'am



Topics

to be covered



1

लेखक का परिचय

2

पाठ का सारांश (मैं क्यों लिखता हूँ)

3

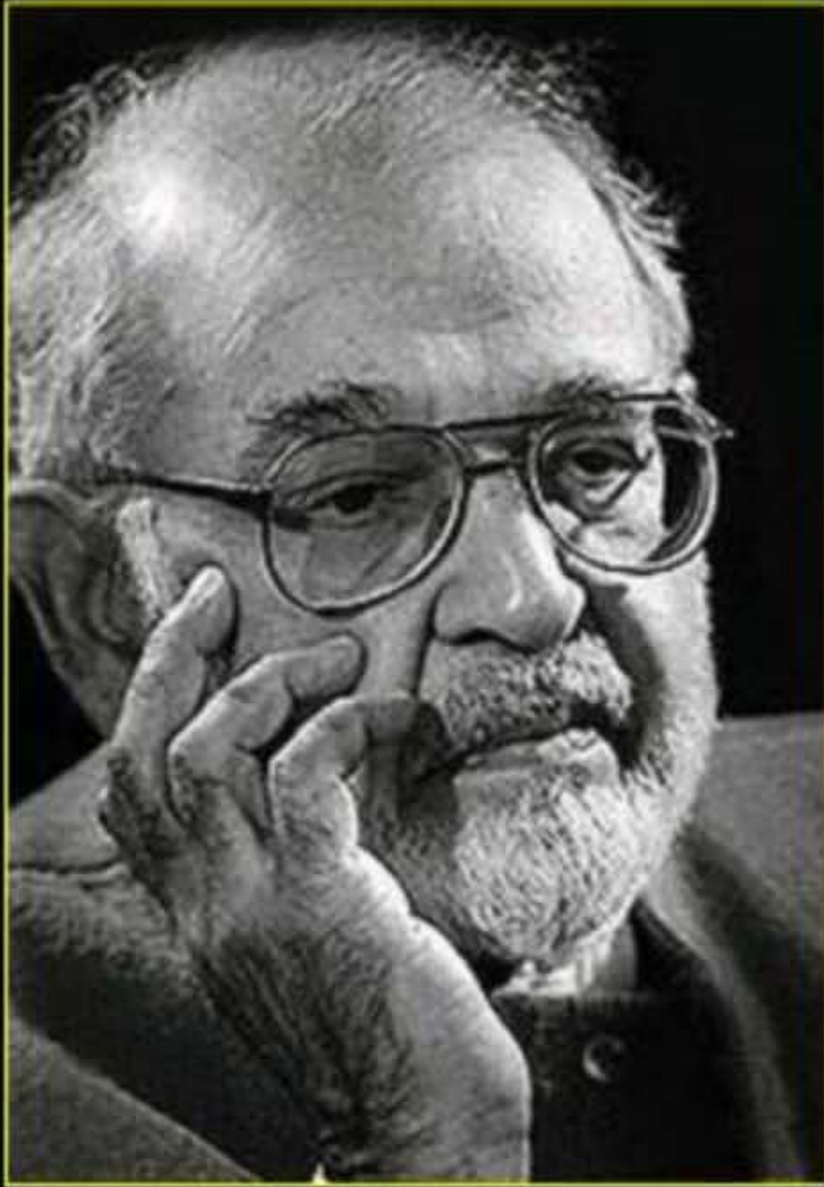
पाठ (मैं क्यों लिखता हूँ) से सम्बंधित प्रश्न



Recap *of previous lecture*

- 1 लेखक का परिचय
- 2 पाठ का सारांश (साना साना हाथ जोड़ें)
- 3 पाठ (साना साना हाथ जोड़ें) से सम्बंधित प्रश्न





- **जन्म** - 7 मार्च 1911, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
- **मूल नाम** - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
- **विधाएँ** - यात्रा वृत्तांत, अनुवाद, आलोचना, संस्मरण, डायरी।
- **प्रमुख कृतियाँ** - भग्नदूत (1933), चिंता (1942), इत्यलम् (1946), हरी घास पर क्षण भर (1949), कोठरी की बात (1945), शरणार्थी (1948), जयदोल (1951), शेखर एक जीवनी, सबरंग, त्रिशंकु, आत्मनेपद, तार सप्तक आदि।
- **पुरस्कार** - 'साहित्य अकादमी', 'भारतीय ज्ञानपीठ'
- **निधन** - 4 अप्रैल 1987 | नई दिल्ली

कितनी नवीं
में कितनी बार

मैं क्यों लिखता हूँ



लेखक लिखने के लिए विवश है। अपनी लिखने की विवशता पर विचार करके जानना चाहता है कि वह क्यों लिखता है। वह लेखन का संबंध आंतरिक जीवन को मानते हुए विभिन्न स्तरों पर विचार करता है और उनसे जुड़े लोगों की विशेषताओं को समझाता है। लेखक के अनुसार लिखे बिना लिखने के कारणों को नहीं जाना जा सकता। लिखकर ही लिखने की विवशता से मुक्त हुआ जा सकता है और लेखन को समझा और पहचाना जा सकता है।



मैं क्यों लिखता हूँ



लेखक के अनुसार सभी लेखकों को कृतिकार अथवा रचनाकार नहीं कहा जा सकता। एक रचनाकार आंतरिक दीप्त चेतना से प्रभावित होकर ही रचना करता है। कभी-कभी बाहरी दबावों से भी आंतरिक दीप्त होने पर रचना लिखी जाती है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो रचना के लिए बाहरी दबावों की प्रतीक्षा करते हैं अर्थात् उनके लेखन में दबावों की निर्भरता रहती है। लेखक स्वयं के लिए बाह्य दबाव महत्वपूर्ण नहीं है। दबावों के होने पर भी उसमें बसा कृतिकार उनसे प्रभावित नहीं होता। वह अपनी दीप्त चेतना से ही प्रेरित होकर लिखता है।



मैं क्यों लिखता हूँ



लेखक के अनुसार कृति का आधार मनुष्य की भीतरी विवशता है। कृतिकार होकर भी लेखक के लिए भीतरी विवशता को समझाना कठिन है। अतः इसे वह अपनी कविता हिरोशिमा के माध्यम से समझाता है। वह कहता है कि विज्ञान का विद्यार्थी होने के कारण उसे रेडियोधर्मी प्रभावों की जानकारी थी। हिरोशिमा पर अणु बम के विस्फोट ने उसे प्रभावित किया और उसने कुछ लेख भी लिखे। भारत की पूर्वी सीमा पर हुए युद्ध के समय सैनिकों को मछलियों की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने समुद्र में बम फेंके। इससे हजारों मछलियाँ मर गईं। जीवों के इस नाश से लेखक को गहरा दुख पहुँचा।



मैं क्यों लिखता हूँ



जापान गए तो वर्षों बाद हिरोशिमा के लोगों को बम से पीड़ित देखकर वह कराह उठा। भारत के समुद्री जीवों के नाश से जुड़ी उसकी संवेदना हिरोशिमा में पीड़ितों को देखकर और गहरा गई। एक दिन उसने सड़क पर चलते हुए एक पत्थर पर रेडियोधर्मिता से प्रभावित एक मानव आकृति की मात्र छाया देखी, पीड़ा घनीभूत हो उठी। अणु बम विस्फोट की पीड़ा पुनः जी उठी। बम विस्फोट की अनुभूति प्रत्यक्ष हो गई। संवेदना ने उसे कल्पनाशील बनाया और आत्मा से अनुभवों को महसूस कराया। उसकी अनुभूति आंतरिक थी, वह विवश हो उठा।



मैं क्यों लिखता हूँ



अनुभूति की ज्वलंतता भारत आने पर एक दिन अचानक रेल में यात्रा करते हुए 'हिरोशिमा' नामक कविता के रूप में ढल गई और एक कृति के रूप में सामने आ गई। लेखक अपनी उस भीतरी विवशता से मुक्त हो गया और तटस्थ होकर उसे देखने और समझने की कोशिश करने लगा। लेखक के अनुसार अनुभूति की ज्वलंतता ही लिखने का कारण बनती है, स्थिति या व्यक्ति की प्रत्यक्षता अथवा निकटता नहीं।



मैं क्यों लिखता हूँ



एक दिन सहसा सूरज निकला
अरे क्षितिज पर नहीं, नगर के चौक:

धूप बरसी

पर अंतरिक्ष से नहीं,

फटी मिट्टी से।

छायाएँ मानव-जन की

दिशाहीन

सब ओर पड़ीं-वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह

बरसा सहसा

बीचों-बीच नगर के:
काल-सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखर गए हों दसों दिशा में।
कुछ क्षण का वह उदय-अस्त!
केवल एक प्रज्वलित क्षण की
दृश्य सोख लेने वाली दोपहरी।

फिर?

छायाएँ मानव-जन की
नहीं मिट्टी लंबी हो हो कर :



मैं क्यों लिखता हूँ



मानव ही सब भाप हो गए।
छायाएँ तो अभी लिखी हैं
झुलसे हुए पत्थरों पर
उजड़ी सड़कों की गच पर।
मानव का रचा हुआ सूरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया।
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया
मानव की साखी है।



QUESTION



लेखक किस विषय का छात्र का था?

- A** अंग्रेजी का
- B** संस्कृत का
- C** विज्ञान का
- D** मानविकी विषय का

Answer



C विज्ञान का

लेखक ने हिरोशिमा पर कविता लिखने की प्रेरणा किससे मिली ?

- ☒ **A** हिरोशिमा की यात्रा के समय एक पत्थर पर उभरी मानव छाया से
- ☐ **B** अपने पड़ोसियों से
- ☐ **C** अपनी माँ से।
- ☐ **D** अखबार में छपे लेखों से

- A** हिरोशिमा की यात्रा के समय एक पत्थर पर उभरी मानव छाया से

लेखक को दूसरों की पीड़ा का प्रत्यक्ष अनुभव कब हुआ ?

- A** लड़कर
- B** पीड़ित लोगों से बातें कर
- C** हिरोशिमा में आहत लोगों को देखकर
- D** अखबारों में पढ़कर

- C** हिरोशिमा में आहत लोगों को देखकर

लेखक क्यों लिखता है ?

A

बाहरी दबाव के कारण

B

भीतरी विवशता के कारण

C

(a) और (b) दोनों

D

इनमें से कोई नहीं

- C** (a) और (b) दोनों

प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा कौन लेखन में मदद करता है ?

- A** चित्रण
- B** अनुभूति
- C** मेहनत
- D** जानकारीयाँ

Answer



B अनुभूति

QUESTION



लेखक ने हिरोशिमा पर कविता कहाँ बैठकर लिखी थी?

A कुर्सी पर

B रेलगाड़ी पर

C मेज पर

D जमीन पर

Answer



B

रेलगाड़ी पर

लेखक अपने भीतर की विवशता को कैसे पहचानता है?

- A** पढ़कर
- B** लिखकर
- C** सीखकर
- D** गाकर

Answer



B लिखकर

QUESTION



कहाँ लेखक को जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया दिखायी दी?

A

चीन

B

अमेरिका

C

जापान

D

ऑस्ट्रेलिया

Answer



C

जापान

QUESTION



मैं क्यों लिखता हूँ? पाठ के रचयिता कौन है?

- A** जाबिर हुसैन
- B** अजेय
- C** रसखान
- D** कमलेश

Answer



B

अज्ञेय

QUESTION



इस पाठ के लेखक का जन्म कब हुआ था?

- A** 1812
- B** 1923
- C** 1911
- D** 1912

Answer



1911

हिरोशिमा पर लिखी कविता कैसी कविता थी ?

- A** बाह्य दबाव का परिणाम → 31.6मी
- B** अंतः दबाव का परिणाम
- C** (a) और (b) दोनों
- D** इनमें से कोई नहीं

C (a) और (b) दोनों

QUESTION



इस पाठ में किस देश की यात्रा का वर्णन किया है ?

- A** मंगोलिया
- B** अमेरिका
- C** जापान
- D** चीन

Answer



C

जापान

प्रश्न 1. लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों?

उत्तर: लेखक की मान्यता है कि सच्चा लेखन भीतरी विवशता से पैदा होता है। यह विवशता मन के अंदर से उपजी अनुभूति से जागती है, बाहर की घटनाओं को देखकर नहीं जागती। जब तक कवि का हृदय किसी अनुभव के कारण पूरी तरह संवेदित नहीं होता और उसमें अभिव्यक्त होने की पीड़ा नहीं अकुलाती, तब तक वह कुछ लिख नहीं पाता।

प्रश्न 2. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

उत्तर: लेखक हिरोशिमा के बम विस्फोट के परिणामों को अखबारों में पढ़ चुका था। जापान जाकर उसने हिरोशिमा के अस्पतालों में आहत लोगों को भी देखा था। अणु-बम के प्रभाव को प्रत्यक्ष देखा था, और देखकर भी अनुभूति न हुई इसलिए भोक्ता नहीं बन सका। फिर एक दिन वहीं सड़क पर घूमते हुए एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया देखी। उसे देखकर विज्ञान का छात्र रहा लेखक सोचने लगा कि विस्फोट के समय कोई वहाँ खड़ा रहा होगा और विस्फोट से बिखरे हुए रेडियोधर्मी पदार्थ की किरणें उसमें रुद्ध हो गई होंगी और जो आसपास से आगे बढ़ गई पत्थर को झुलसा दिया, अवरुद्ध किरणों ने आदमी को भाप बनाकर उड़ा दिया होगा। इस प्रकार समूची ट्रेजडी जैसे पत्थर पर लिखी गई है। इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया।

प्रश्न 3. मैं क्यों लिखता हूँ? के आधार पर बताइए कि-

1. लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?

उत्तर: मुख्य रूप से देखा जाये तो लेखक को सबसे अधिक प्रेरणा उसकी स्वयं की अनुभूति देती है। लेखक की स्वयं अनुभूति उसे लिखने के लिए विवश कर देती है। कभी-कभी कवि के मन में ऐसी अनुभूति जाग उठती है कि वह उसे अभिव्यक्त करने के लिए व्याकुल हो उठता है।

मैं क्यों लिखता हूँ? के आधार पर बताइए कि-

2. किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए किस तरह उत्साहित कर सकते हैं?

उत्तर: किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए उत्साहित कर सकते हैं, जैसे की कभी कभी लेखक सम्पादकों के आग्रह पर कुछ लिख दिया करता था। और कभी कभी लेखक आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त करने के लिए भी कुछ अपनी कृति को तैयार कर लिया करता था।

प्रश्न 4. कुछ रचनाकारों के लिए आत्मानुभूति/स्वयं के अनुभव के साथ-साथ बाह्य दबाव भी महत्वपूर्ण होता है। ये बाह्य दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?

उत्तर: कुछ रचनाकारों की रचनाओं में स्वयं की अनुभूति से उत्पन्न विचार होते हैं और कुछ अनुभवों से प्राप्त विचारों को लिखा जाता है। इसके साथ ऐसे कारण (बाह्य दबाव) भी उपस्थित हो जाते हैं जिससे लेखक लिखने के लिए प्रेरित हो उठता है। ये बाह्य-दबाव हैं-

1. सामाजिक परिस्थितियाँ ✓
2. आर्थिक लाभ की आकांक्षा ✓
3. प्रकाशकों और संपादकों का पुनः-पुनः का आग्रह ✓
4. विशिष्ट के पक्ष में विचारों को प्रस्तुत करने का दबाव ✓

प्रश्न 5. क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?

उत्तर: बाहरी दबाव सभी प्रकार के कलाकारों को प्रेरित करते हैं। उदाहरणतया अधिकतर अभिनेता, गायक, नर्तक, कलाकार अपने दर्शकों, आयोजकों, श्रोताओं की माँग पर कला-प्रदर्शन करते हैं। अमिताभ बच्चन को बड़े-बड़े निर्माता-निर्देशक अभिनय करने का आग्रह न करें तो शायद अब वे आराम करना चाहें। इसी प्रकार आशा भोसले भी 50 साल से गाते-गाते थक चुकी होंगी, अब फिल्म-निर्माता, संगीतकार और प्रशंसक ही उन्हें गाने के लिए बाध्य करते होंगे।

प्रश्न 6. हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं?

उत्तर: हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम थी क्योंकि एक बार हिरोशिमा पर अणु-बम के आक्रमण के बाद जब लेखक जापान घूमने गया तो उसने अणु-बम की घटना के परिणाम देख कर बहुत दुखी हुआ उसने वहाँ के अस्पताल में जाकर भी छतिग्रस्त लोगों को देखा और उनके प्रति भी सहानुभूति हुई। और यही कारण था की उस अनुभूति की वजह से लेखक ने हिरोशिमा कविता लिखी।

प्रश्न 7. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है।

उत्तर: आजकल विज्ञान का दुरुपयोग अनेक जानलेवा कामों के लिए किया जा रहा है। आज आतंकवादी संसार-भर में मनचाहे विस्फोट कर रहे हैं। कहीं अमरीकी टावरों को गिराया जा रहा है। कहीं मुंबई बम-विस्फोट किए जा रहे हैं। कहीं गाड़ियों में आग लगाई जा रही है। कहीं शक्तिशाली देश दूसरे देशों को दबाने के लिए उन पर आक्रमण कर रहे हैं। जैसे, रूस ने युक्रेन पर आक्रमण किया तथा वहाँ के जनजीवन को तहस-नहस कर डाला।

विज्ञान के दुरुपयोग से चिकित्सक बच्चों का गर्भ में भ्रूण-परीक्षण कर रहे हैं। इससे जनसंख्या का संतुलन बिगड़ रहा है। विज्ञान के दुरुपयोग से किसान कीटनाशक और जहरीले रसायन छिड़ककर अपनी फसलों को बढ़ा रहे हैं। इससे लोगों को स्वास्थ्य खराब हो रहा है। विज्ञान के उपकरणों के कारण ही वातावरण में गर्मी बढ़ रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है, बर्फ पिघलने को खतरा बढ़ रहा है तथा रोज-रोज भयंकर दुर्घटनाएँ हो रही हैं।



Homework



पाठ में आर प्रश्न उत्तर लिखना है और
पढ़ना भी है।



THANK
YOU

